Year-6 Volume: IV, October-December, 2024 Issue-24 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

7. आत्मनिर्भर भारत अवसर और चुनौतियाँ : एक अध्ययन

डॉ. संतोष मिश्रा

सहायक प्रोफ़ेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई, छ.ग.

mishradrsantosh2@gmail.com

सारांश

'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में वैश्वीकरण का बहिष्कार नहीं किया जाएगा अपितु दुनिया के विकास में मदद की जाएगी। मिशन को दो चरणों में लागू किया जाएगा। प्रथम चरण में चिकित्सा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक, खिलौने जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि स्थानीय विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। द्वितीय चरण में रत्न एवं आभूषण, फार्मा, स्टील जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने 12 मई 2020 को इस अभियान की घोषणा की थी जिसमें उन्होंने देश को संबोधित करते हुए कहा था की भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए यह एक अच्छी पहल है। इस अभियान के तहत भारत आने वाले कुछ सालों मे अधिकतर वस्तुओं का निर्माण भारत के किया जाएगा। इस कारण से ही इस अभियान का नाम आत्मनिर्भर रखा गया है।

प्रमुख शब्द- आत्मनिर्भर भारत अभियान, स्थानीय निर्माण और निर्यात,आयात निर्भरता में कमी, रोजगार और आर्थिक सुधार, वैश्विक निवेश और व्यापार

प्रस्तावना-

आत्मनिर्भर भारत बनने का तात्पर्य है हमारे देश को हर क्षेत्र मे खुद पर ही निर्भर होना होगा। भारत को देश मे ही हर वस्तु का निर्माण करना होगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि भारत के संसाधनों से बनी वस्तुओं को भारत मे ही उपयोग मे लाना है। आत्मनिर्भर भारत से यहां के उद्योगों मे सुधार करना और युवाओं के लिए रोजगार, गरीबों के लिए गरीबी से उभरना है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के कल्याण के लिए कुल 16-घोषणाएँ की गईं व गरीबों, श्रमिकों और किसानों के लिए अनेक घोषणाएँ की गईं जिनमें किसानों की आय दोगुनी करने के लिए की गई 11 घोषणाएं भी शामिल हैं।इस अभियान के तहत उन सभी विदेशी निर्भरताओं को कम करना है जिस वजह से भारत का ज्यादातर व्यापार दूसरे पड़ोसी देशों पर निर्भर है। इसमें बाहर की वस्तुओं पर निर्भर न रहकर बाहर

The Asian Thinker

अपने स्वयं के स्तर पर अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट को हमारे देश मे ही तैयार करना है इस अभियान मे शामिल है। आज की बात करे तो हमारे दैनिक जीवन मे कई ऐसी वस्तुएं है जिसकी आपूर्ति हमें हमारा पड़ोसी देश चीन करता है। चीन के अलावा अमेरिका, कोरिया, सऊदी अरब भी इसी श्रेणी में शामिल है जो हमारे सामान की मांग को पूरा करता है। भारत के विकास की जड़े अगर मजबूत करनी है तो हमें पहले आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा तभी हमारा भारत विकासशील से विकसित देश बनेगा। इस अभियान के तहत हमारे जरूरी व आवश्यक चीजों का निर्माण हमारे देश मे ही किया जाएगा तभी हमारा देश आत्मनिर्भर भारत कहलायेगा।

आत्मनिर्भर भारत अभियान द्वारा प्रस्तुत अवसर -

'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को वर्ष 2014 में शुरू किये गए **'मेक इन इंडिया'** अभियान के विस्तार के रूप में देखा जाना चाहिये, क्योंकि ये दोनों ही अभियान घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से विनिर्माण निवेश हासिल करने के उद्देश्य को साझा करते हैं।

इस अभियान के हिस्से के रूप में घोषित पैकेज के तहत भारतीय समाज के संवेदनशील और वंचित वर्गों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि क्षेत्र के लिये तथा व्यवसायों हेतु नियमों को आसान बनाने और अर्थव्यवस्था का समर्थन करने हेतु अन्य समाधानों की एक श्रृंखला हेतु कई वित्तीय सहायता उपायों की पेशकश की गई थी। इस अभियान ने विदेशी निवेशकों के लिये रक्षा, परमाणु ऊर्जा, कृषि, बीमा, स्वास्थ्य सेवा और नागरिक उड्डयन सहित कई क्षेत्रों में निवेश के अवसर प्रदान किये हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के लक्ष्य -

- इसका उद्देश्य वैश्विक बाज़ार में हिस्सेदारी हासिल करने हेतु सुरक्षा अनुपालन और सामानों की गुणवत्ता में सुधार करते हुए प्रतिस्थापन पर ध्यान केंद्रित करके आयात निर्भरता को कम करना है।
- आत्मनिर्भरता न तो किसी बहिष्करण या अलगाववादी रणनीतियों का प्रतीक है बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक सहायता के रूप में देखे जाने की ज़रूरत है।
- मिशन "स्थानीय" उत्पादों को बढ़ावा देने के महत्त्व पर केंद्रित है।

बढ़ती चिंता -

1. **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश का कम होना:** इस कार्यक्रम के कुछ पहलुओं जैसे- आयात एवं आयात प्रतिस्थापन पर टैरिफ व गैर-टैरिफ प्रतिबंध में वृद्धि आदि में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा निवेश को कम करने की क्षमता है।

Year-6 Volume: IV, October-December, 2024 Issue-24 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

- गैर-टैरिफ बैरियर, जैसे- कोटा (Quota), अधिरोध (Embargo) या सैंक्शन (Sanction) आदि व्यापार अवरोधक हैं, जिनका उपयोग देश अपने राजनीतिक और आर्थिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिये करते हैं।
- देश मानक टैरिफ बैरियर (जैसे सीमा शुल्क) के स्थान पर गैर-टैरिफ बैरियर का उपयोग कर सकते हैं।

2. **DISCOMS द्वारा तदर्थ नीति में परिवर्तन:** बिजली वितरण कंपनियाँ (DISCOMS) और **अक्षय ऊर्जा** क्षेत्र के मामले में **बिजली खरीद समझौतों** पर दुबारा बातचीत करने के लिये तदर्थ (Ad-Hoc) परिवर्तनों को अपनाती हैं।
3. **नीतिगत मुद्दे:** भारत की बौद्धिक संपदा प्रवर्तन व्यवस्था में कठिनाइयाँ, फार्मा क्षेत्र के नियमों में अंतराल, दवा मूल्य नियंत्रण और डेटा स्थानीयकरण तथा शासन से संबंधित मानदंड।

- डेटा स्थानीयकरण (देश की सीमाओं के भीतर डेटा संग्रहीत करना) वैश्विक आपूर्ति श्रंखला तक पहुँच सीमित करके स्थानीय कंपनियों की वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्द्धा करने की क्षमता को सीमित कर सकता है।
- इससे निवेश, पूंजी और ग्राहकों तक पहुँच में कमी हो सकती है।

4. **अंतरिक्ष क्षेत्र में :** अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेशकों के लिये खोलना एक महत्त्वपूर्ण कदम था, लेकिन इससे जुड़ी प्रक्रियाओं से संबंधित कई पहलुओं के बारे में 'स्पष्टता की कमी' थी।

- **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन तथा प्रमाणीकरण केंद्र (IN-Space)** भारतीय अंतरिक्ष अवसंरचना का उपयोग करने हेतु निजी क्षेत्र की कंपनियों को समान अवसर उपलब्ध कराएगा।

5. **रक्षा क्षेत्र में:** रक्षा उपकरणों की 101 वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध को 4 वर्ष की अवधि तक या वर्ष 2024 तक लागू करने की योजना है।

- इसके अतिरिक्त रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) 2020 में परिवर्तन के कारण यह संभावना सुनिश्चित की गई है कि इस सूची में कोई भी वस्तु कट-ऑफ तिथि से आगे आयात नहीं की जाती है।
- इससे भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है।

आत्मनिर्भर बनने के पांच स्तम्भ

भारत के आत्मनिर्भर वे पांच स्तम्भ जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने मे मदद करेंगे -

1. अर्थव्यवस्था - वर्तमान की भारत की अर्थव्यवस्था एक मिश्रित प्रकार की अर्थव्यवस्था है जिसमें परिवर्तन किया जाना संभव है। अर्थव्यवस्था ही एक ऐसा साधन है जो भारत को आत्मनिर्भर बनने की और मोड सकता है।

2. तकनीकी - भारत मे तकनीकी काफी विकसित है और इसी तकनीक के चलते भारत मे विश्व शक्ति बनने का साहस रखता है। भारत की तकनीकी इसी का एक मुख्य अंग है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा।

3. इन्फ्रास्ट्रक्चर - भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत है की यह भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मदद करेगा।

4. मांग - भारत में कच्चे माल की मांग इतनी ज्यादा बढ़ रही है की हमे पड़ोसी देश पर निर्भर रहना पडता है। अगर हम कच्चे माल निर्माण भारत मे करते है तो उस स्थिति मे भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकेगा।

5. बढ़ती जनसंख्या - भारत की जनसंख्या भी जंगल मे आग की तरह फैल रही है, इस पर नियंत्रण भी जरूरी हैं।

आत्मनिर्भर भारत से लाभ -

यदि हमारा भारत आत्मनिर्भर बनता है तो देश को इससे कई सारे फायदे होगें जो लोगों और देश की तरक्की मे बहुत सहायक होंगें।

1. आत्मनिर्भर भारत से हमारे देश मे उद्योगों की संख्या मे वृद्धि होगी।

2. हमारे देश को और देशो से सहायता कम लेनी होगी।

3. हमारे देश मे रोजगार के अधिक अवसर पैदा होगें।

4. इससे देश मे बेरोजगारी के साथ-साथ गरीबी से मुक्ति मे सहायता मिलेगी।

5. भारत की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत हो सकेगी।

6. आत्मनिर्भर बनने के साथ भारत चीजों का भंड़ारण काफी अधिक कर सकता है।

7. देश आगे चलकर अन्य देशों से आयात कम और निर्यात ज्यादा कर सकेगा।

8. आपदा की स्थिति मे भारत बाहरी देशों से मदद की मांग कम होगी।

9. देश मे स्वदेशी वस्तुओं का निर्माण कर देश की तरक्की को शीर्ष तक ले जाने मे सहायता मिलेगी।

आत्मनिर्भर भारत बनने के महत्वपूर्ण बातें -

आत्मनिर्भर भारत की घोषणा के तहत भारत के प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता के लिए पांच महत्वपूर्ण बातें बताई है।

Year-6 Volume: IV, October-December, 2024 Issue-24 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

1. इरादा करना (intent)

2. समावेश करना (inclusion)

3. निवेश (investment)

4. सार्वजनिक ढ़ाचे को मजबूत करना (infrastructure)

5. नई चीजों का खोज करना (to discover)

आत्मनिर्भर भारत बनने का अवसर -

सारे विश्व के साथ-साथ भारत भी कोरोना की माहामारी के दौर से गुजर रहा है, इसलिए इसके साथ ही भारत को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्राप्त हुआ है। इस महामारी के दौरान कुछ हद तक हमने आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया है और बिना अन्य देश की मदद से इस महामारी से लड़ने के लिए हमने देश मे ही चीजों का निर्माण करना शुरु कर दिया है। जहां हमने पीपीई किट, वेन्टिलेटर, सेनेटाइजर और के.एन.-95 मास्क का निर्माण अपने देश मे ही शुरु कर दिया है। पहले यही चीजे हमे विदेशों से मंगानी पड़ती थी। इन सभी चीजों का निर्माण भारत मे करना ही आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने का पहला कदम है। इनके उत्पादन से हमे अन्य देशों की मदद भी नही लेनी पड़ रही है, और भारत आत्मनिर्भरता की ओर आगे कदम बढ़ा रहा है।

आत्मनिर्भर भारत के समक्ष संभावित चुनौतियां -

भारत के आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने कुछ चुनौतियां ऐसी है जिससे निपटना जरूरी है।

1. लागत और गुणवत्ता- भारत के स्वयं के उत्पादों मे एक समस्या है जो सबसे बडी है भारत के प्रोडक्ट निर्माण मे यह देखना जरूरी है की क्या वास्तव मे भारत मे बने उत्पादों की गुणवत्ता अच्छी है और उनकी लागत कम हो। हालांकि भारत मे बनने वाली वस्तुओं पर लागत भी कम लगेगी और उस पर व्यय भी कम आयेगा।

2. आर्थिक समस्या - भारत मे जनसंख्या और गरीबी दोनों की एक साथ तेजी से बढ रही है। किसी भी नये उत्पादन के लिए सबसे पहली आवश्यकता होती है पूंजी, हालांकि भारत मे कई ऐसी योजनाएं है जो किसी भी नये उत्पादन या व्यवसाय को चालु करते के लिए लोन मुहैया कराती है। परन्तु यह भी कहा जा सकता है की शुरुआती समय मे देश मे को आर्थिक समस्या का सामना करना पड सकता है।

3. आधारभूत ढांचा - कई आर्थिक व व्यापार विशेषज्ञों की मानें तो उनके अनुसार, चीन से निकलने वाली अधिकांश कंपनियों के भारत में न आने का एक सबसे बडा मुख्य कारण ही भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में एक मजबूत आधार ढांचे के अभाव को माना जाता है। यही वजह से की भारत मे कई वस्तुओं का आयात ज्यादा मात्रा मे किया जा रहा है जिस

The Asian Thinker

Year-6 Volume: IV, October-December, 2024 Issue-24 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

वजह से यह भारत के कई व्यापार दूसरे देश पर निर्भर है। आत्मनिर्भर भारत बनने की इस समस्या को सुधारने की भी जरूरत होगी।

निजी क्षेत्रों को बढ़ावा -

आत्मनिर्भर भारत अभियान मे निजी क्षेत्रों को हो सकता है फायदा, हालांकि इस अभियान का उद्देश्य भी कही न कही यही है की इससे देश मे व्यापार व उद्योगों को बढ़ाया जाए।

1. आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश के निजी क्षेत्रों को बढ़ाया जायेगा। इसमे देशी उद्योगों को व व्यापार को बढाने हेतु बीते बजट सत्र 2021-22 मे भी कई बड़ी घोषणाएं की गई है।

2. प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को इस अभियान के तहत निजी क्षेत्रों के हस्तक्षेप के लिए खोल दिया जाएगा।

3. इस अभियान के तहत भारतीय बाजार मे निजी कंपनियों की डिमांड व उनका हस्तक्षेप भी बढ़ जाएगा।

4. भारत ने वैश्विक महामारी कोरोना का टीका बना कर विश्व को यह संदेश दिया है की भारत भी कुछ कर सकता है।

भारत ने सबसे पहले कोरोना के टीके का निर्माण सफलतापूर्वक किया है। भारत मे स्थित पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट मे इस कोरोना के टीके का निर्माण किया गया है। यह टीका भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों को भी भेजा जा रहा है। इस बात से अब ऐसा लग रहा है की भारत का आत्मनिर्भर बनने का सपना पूरा हो रहा है। भारत आत्मनिर्भर बन रहा है।

दूसरों पर निर्भर रहने का नुकसान -

अगर देश मे इस आत्मनिर्भर भारत के अभियान की शुरुआत नही होती तो हमको पूर्व की भांति वर्तमान मे भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता, जिससे कुछ नुकसान भी होते। भारत मे संसाधन सीमित है जिस वजह से हम दूसरों पर निर्भर रहते है। अगर हम दूसरों पर निर्भर रहते है तो हमे उनके अनुरूप काम करना पडता है और उस देश या की हर उस शर्त को मानना होता है जो हमे भले की मंजूर न हो। अगर भारत देश दूसरों पर निर्भर रहता है तो इससे हमारे देश को आर्थिक नुकसान होता है और दूसरे देश को आर्थिक फायदा होता है। दूसरों पर निर्भर रहने से हमारा देश काफी पीछे रह जाता है और काफी हद तक रह भी गया है। दूसरे देश पर निर्भर रहने से हमारे देश मे बेरोजगारी जैसी भयानक समस्या आ सकती है।

निष्कर्ष –

सरकार और उद्योग जगत को आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिये मिलकर काम करना चाहिये। सरकार की ओर से बहुत सारे नीतिगत बदलाव किये गए हैं और उद्योग जगत ने भी वास्तव में कड़ी मेहनत की है लेकिन कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिन पर दोनों हितधारकों को ध्यान देना चाहिये।

The Asian Thinker

भारत आज पीपीई किट का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। सीएसआईआर-एनएएल ने 35 दिनों के भीतर बाईपैप वेण्टिलेटर का विकास किया। वस्त्र समिति (मुम्बई) ने पूर्ण रूप से स्वदेशी डिजाइन और 'मेक इन इण्डिया' वाला पीपीई जाँच उपकरण बनाया। बिजली क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइन टॉवर से लेकर, ट्रांसफार्मर और इन्सुलेटर तक देश में ही बनाने पर जोर दिया गया है। सभी सेवाओं में सरकारी खरीद व अन्य के लिए 'मेक इन इण्डिया' नीति में संशोधन किया गया है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए 'मेक इन इण्डिया,' को बढ़ावा दिया है। एक निश्चित समयावधि के भीतर आयात पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए प्लेटफार्मों की एक सूची को अधिसूचित किया है। आयातित पुर्जों का स्वदेशीकरण किया जा रहा है और इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान किया जाएगा। आयुध निर्माणियों को कॉर्पोरेट का दर्जा दिया गया है और उनको शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा।

सन्दर्भ सूची –

1. Deepawali. (n.d.). *आत्मनिर्भर भारत निबंध [Essay on Aatma Nirbhar Bharat in Hindi]*. Retrieved January 26, 2025, from https://www.deepawali.co.in/aatm-nirbhar-bharat-essay-hindi.html
2. Hindi Ki Duniya. (n.d.). *आत्मनिर्भर भारत पर निबंध [Essay on Aatmanirbhar Bharat in Hindi]*. Retrieved January 26, 2025, from https://www.hindikiduniya.com/essay/essay-on-aatmanirbhar-bharat/
3. PM Modi Yojana. (n.d.). *आत्मनिर्भर भारत अभियान [Aatmanirbhar Bharat Abhiyan]*. Retrieved January 26, 2025, from https://pmmodiyojana.in/aatm-nirbhar-bharat-abhiyan/
4. Wikipedia. (n.d.). *आत्मनिर्भर भारत [Aatmanirbhar Bharat]*. Retrieved January 26, 2025, from https://hi.wikipedia.org/wiki/
5. Drishti IAS. (n.d.). *आत्मनिर्भर भारत: चिंताएं [Atmanirbhar Bharat: Concerns]*. Retrieved January 26, 2025, from https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/atmanirbhar-bharat-concerns
6. India.gov.in. (n.d.). *Building Atmanirbhar Bharat: Overcoming COVID-19*. Retrieved January 26, 2025, from https://www.india.gov.in/spotlight/building-atmanirbhar-bharat-overcoming-covid-19

The Asian Thinker